IJNRD.ORG ISSN : 2456-4184
INTERNATIONAL JOURNAL OF NOVEL RESEARCH AND DEVELOPMENT (IJNRD) | IJNRD.ORG
An International Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

"उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों पर ऑनलाइन शिक्षण के प्रभाव का समीक्षात्मक अध्ययन"

[1]**JITENDRA SINGH**
RESEARCH SCHOLAR,
CHHATRAPATI SHAHU JI MAHARAJ UNIVERSITY KANPUR
[2]**DR. RAKSHA GUPTA**
SUPERVISOR, ASSISTANT PROFESSOR,
CHHATRAPATI SHAHU JI MAHARAJ UNIVERSITY KANPUR

सार (Abstract).

प्रस्तुत समीक्षात्मक अध्ययन **उच्च माध्यमिक स्तर (Senior Secondary Level)** के विद्यार्थियों पर **ऑनलाइन शिक्षण (Online Learning)** के बहुआयामी प्रभावों का विश्लेषण करता है। कोविड-19 महामारी के बाद, शिक्षा में ऑनलाइन माध्यमों का उपयोग एक वैकल्पिक और पूरक मॉडल में बदल गया है। यह शोध पत्र शैक्षिक उपलब्धि, मनोवैज्ञानिक कल्याण, और डिजिटल विभाजन (Digital Divide) के संदर्भ में ऑनलाइन शिक्षण के **सकारात्मक और नकारात्मक** दोनों प्रभावों की समीक्षा करता है। विभिन्न शोध अध्ययनों के आधार पर, यह निष्कर्ष निकाला गया है कि ऑनलाइन शिक्षण लचीलापन, विविध संसाधनों तक पहुँच और व्यक्तिगत सीखने के अवसर प्रदान करता है, लेकिन इसके साथ ही यह डिजिटल असमानता, सामाजिक-भावनात्मक विकास में कमी, और मानसिक तनाव जैसी गंभीर चुनौतियाँ भी प्रस्तुत करता है। अंतिम निष्कर्ष एक **संकरीकृत/हाइब्रिड (Hybrid)** शिक्षण मॉडल की आवश्यकता पर बल देता है जो ऑनलाइन और पारंपरिक शिक्षण की शक्तियों का समन्वय कर सके।

1. प्रस्तावना (Introduction)

ऑनलाइन शिक्षण, जिसने **सूचना और संचार प्रौद्योगिकी (ICT)** के माध्यम से शिक्षा को भौगोलिक सीमाओं से मुक्त किया है, वर्तमान वैश्विक शैक्षिक परिदृश्य का एक अभिन्न अंग बन गया है। उच्च माध्यमिक स्तर (कक्षा 11 और 12) के विद्यार्थी अपने शैक्षणिक जीवन के एक महत्वपूर्ण चरण में होते हैं, जहाँ उन्हें न केवल विषय-वस्तु की गहन समझ विकसित करनी होती है, बल्कि महत्वपूर्ण सोच (Critical Thinking), स्वायत्तता और भविष्य के करियर के लिए तैयारी भी करनी होती है।

कोविड-19 महामारी ने ऑनलाइन शिक्षण को बड़े पैमाने पर लागू करने के लिए उत्प्रेरक का काम किया। इस त्वरित बदलाव ने **शैक्षणिक उपलब्धि**, **सामाजिक-भावनात्मक विकास** और **मनोवैज्ञानिक स्वास्थ्य** पर इसके प्रभावों को समझने के लिए एक व्यापक समीक्षा की आवश्यकता उत्पन्न की है। इस समीक्षात्मक अध्ययन का उद्देश्य उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों पर ऑनलाइन शिक्षण के प्रभावों से संबंधित मौजूदा साहित्य, अनुभवजन्य साक्ष्य और चुनौतियों का एक विस्तृत और आलोचनात्मक विश्लेषण प्रस्तुत करना है।

---

2. शोध विधि (Research Methodology)

यह अध्ययन एक **समीक्षात्मक साहित्य सर्वेक्षण (Review of Literature)** पर आधारित है। इसमें मुख्य रूप से निम्नलिखित स्रोतों का उपयोग किया गया है:

- शैक्षणिक डेटाबेस (जैसे ERIC, JSTOR, Google Scholar, ResearchGate)
- शैक्षिक पत्रिकाओं में प्रकाशित शोध पत्र
- सरकारी और गैर-सरकारी संगठनों की रिपोर्टें
- उच्च माध्यमिक शिक्षा पर केंद्रित अध्ययन

समीक्षा का ध्यान विशेष रूप से उन अध्ययनों पर रहा है जो ऑनलाइन शिक्षण के **शैक्षणिक, मनोवैज्ञानिक और सामाजिक-तकनीकी** आयामों की जाँच करते हैं।

---

3. अध्ययन से सम्बंधित साहित्य की समीक्षा (Review of literature related to the study)

इस अध्ययन के लिए विभिन्न माध्यमों के द्वारा अध्ययन से सम्बंधित अनुसंधानों/ रिसर्च प्रतिवेदनों के सार का अध्ययन किया गया है ,तदोपरांत अध्यन विषय से सम्बंधित अति निकट शोध-सार पर ध्यान केन्द्रित किया गया गया है , जिनमे अति महत्वपूर्ण सार संक्षेप अग्रलिखित हैं –

Carrillo, C., & Flores, M. A. (2020): कोविड-19 महामारी ने सभी स्तरों पर शिक्षा को विभिन्न तरीकों से प्रभावित किया है। संस्थानों और शिक्षक प्रशिक्षकों को आमनेसामने की पढ़ाई से दूरस्थ शिक्षा की - ओर एक अप्रत्याशित और'जबरन' बदलाव का तुरंत जवाब देना पड़ा। उन्हें शिक्षकशिक्षा कार्यक्रमों की - आवश्यकताओं और विश्वविद्यालयों व स्कूलों, दोनों के संचालन की परिस्थितियों के मद्देनजर, अपनी तैयारी कर रहे छात्रशिक्षा -शिक्षकों के लिए भी शिक्षण वातावरण तैयार करना पड़ा। यह शोध पत्र शिक्षक- में ऑनलाइन शिक्षण और अधिगम पद्धतियों पर उपलब्ध साहित्य की समीक्षा प्रस्तुत करता है। कुल 134 अनुभवजन्य अध्ययनों का विश्लेषण किया गया। सामाजिक, संज्ञानात्मक और शिक्षण उपस्थिति से संबंधित ऑनलाइन शिक्षण और अधिगम पद्धतियों की पहचान की गई। निष्कर्षों ने ऑनलाइन शिक्षा के

शिक्षणशास्त्र के एक व्यापक दृष्टिकोण की आवश्यकता पर प्रकाश डाला जो शिक्षण और अधिगम को समर्थन देने के लिए प्रौद्योगिकी को एकीकृत करता हो।

Chakraborty, P., Mittal, P., Gupta, M. S., Yadav, S., & Arora, A. (2021): कोविड-19 महामारी ने दुनिया भर के विश्वविद्यालयों को अपने परिसर अनिश्चित काल के लिए बंद करने और अपनी शैक्षणिक गतिविधियों को ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म पर स्थानांतरित करने के लिए मजबूर कर दिया। इस अध्ययन में शोधकर्ता ने एक सर्वेक्षण किया, जिसमें एक भारतीय विश्वविद्यालय के स्नातक छात्रों से चल रही महामारी के दौरान ऑनलाइन शिक्षा के विभिन्न पहलुओं पर उनकी राय पूछी। हमें 358 छात्रों से प्रतिक्रियाएँ मिलीं। छात्रों ने महसूस किया कि वे ऑनलाइन शिक्षा की तुलना में भौतिक कक्षाओं)65.9%) और मूक्स)39.9%) में बेहतर सीखते हैं। हालाँकि, छात्रों ने महसूस किया कि महामारी की शुरुआत से प्रोफेसरों ने अपने ऑनलाइन शिक्षण कौशल में सुधार किया है)68.1%) और ऑनलाइन शिक्षा अभी उपयोगी है)77.9%)। छात्रों ने ऑनलाइन शिक्षा को समर्थन देने के लिए उपयोग किए जा रहे सॉफ़्टवेयर और ऑनलाइन अध्ययन सामग्री की सराहना की। हालाँकि, छात्रों ने महसूस किया कि ऑनलाइन शिक्षा तनावपूर्ण है और उनके स्वास्थ्य और सामाजिक जीवन को प्रभावित कर रही है।

Palvia, S., Aeron, P., Gupta, P., Mahapatra, D., Parida, R., Rosner, R., & Sindhi, S. (2018): इस अध्ययन में शोधकर्ता ने एक सर्वेक्षण किया, जिसमें नई तकनीकों के संगम, इंटरनेट के वैश्विक उपयोग और निरंतर विकसित होती डिजिटल अर्थव्यवस्था के लिए समयसमय पर प्रशिक्षित कार्यबल की - बढ़ती माँग के कारण, ऑनलाइन शिक्षा अपने विभिन्न रूपों में दुनिया भर में लगातार बढ़ रही है। ऑनलाइन शिक्षा 2025 तक मुख्यधारा बनने की राह पर है। यह संपादकीय देशस्तरीय कारक-ों का दस्तावेजीकरण करता है जो ऑनलाइन शिक्षा की मात्रा और गुणवत्ता को प्रभावित करते हैं। इन कारकों में उद्योग (व्यवसाय); स्थानीय, राज्य और संघीय स्तर पर सरकारें; देश के कानून; आईसीटी क्षमता; इंटरनेटमोबाइल प्रौद्योगिकी का प्रसार/; और आय एवं डिजिटल विभाजन शामिल हैं। हम ऑनलाइन शिक्षा से संबंधित देश और विश्व संगठनों के लिए निहितार्थ प्रस्तुत करते हैं।

Erlangga, D. T. (2022): दुनिया भर में फैले कोविड-19 वायरस ने मानव जीवन के विभिन्न पहलुओं को बदल दिया है, जिनमें से एक है कक्षा में आमने सामने होने वाली सीखने की-प्रक्रिया का ऑनलाइन सीखने में बदलाव। इस महामारी के दौरान शिक्षण और सीखने को जारी रखने के लिए ऑनलाइन सीखने को एक समाधान के रूप में चुना गया है और यह प्राथमिक विद्यालय, माध्यमिक विद्यालय, उच्च विद्यालय से लेकर कॉलेज स्तर तक शिक्षा के विभिन्न स्तरों द्वारा किया जा रहा है। कोविड-19 महामारी के दौरान छात्रों द्वारा अनुभव की गई सीखने की कठिनाइयों के मामलों के अस्तित्व के कारण छात्रों को शिक्षक द्वारा पढ़ाए गए विषयवस्तु की समझ नहीं आ रही थी। इस अध्ययन का उद्देश्य ऑनलाइन सीखने की - प्रक्रिया में छात्रों की समस्याओं को कुछ समाधान खोजना था। इस अध्ययन में बंदर लामपुंग के एक निजी विश्वविद्यालय के 25 अंग्रेजी शिक्षा के छात्र शामिल थे। शोधकर्ता ने डेटा एकत्र करने के लिए गूगल के माध्यम से 9 प्रश्नों की एक बंद प्रश्नावली वितरित की, और डेटा निष्कर्षों में प्रश्नावली के परिणामों को

दर्शाने के लिए गुणात्मक डेटा का उपयोग किया। अध्ययन के परिणाम बताते हैं कि ऑनलाइन सीखने में छात्रों को कुछ समस्याओं का सामना करना पड़ा।

Capra, T. (2011): इस अध्ययन में शोधकर्ता ने अध्ययन किया कि ऑनलाइन शिक्षा में नाटकीय विस्तार और वृद्धि हुई है। उच्च शिक्षा संस्थान छात्रों की मांग को पूरा करने के प्रयास में ऑनलाइन पाठ्यक्रमों की संख्या में लगातार वृद्धि कर रहे हैं। हालाँकि यह वृद्धि प्रभावशाली है, लेकिन इसके परिणाम भी हैं। उच्च शिक्षा ऑनलाइन पाठ्यक्रमों में छात्रों के पीछे हटने और असफलता की बढ़ती दर से जूझ रही है। यह लेख इस विषय पर वर्तमान साहित्य और शोध की समीक्षा के साथ इस परिघटना की पड़ताल करता है—विशेष रूप से सामुदायिक कॉलेज के वातावरण पर ध्यान केंद्रित करते हुए। इसके अतिरिक्त, चिकित्सकों और भविष्य के शोध के लिए सुझावों पर भी चर्चा की गई है।

Dhawan, S. (2020). इस अध्ययन में शोधकर्ता ने एक सर्वेक्षण किया और बताया कि भारत में शैक्षणिक संस्थान स्कूल), कॉलेज और विश्वविद्यालयवर्तमान में केवल पारंपरिक शिक्षण पद्धतियों पर (आधारित हैं, अर्थात वे कक्षा में आमनेसामने व्याख्यान की पारंपरिक व्यवस्था का पालन करत-े हैं। हालाँकि कई शैक्षणिक इकाइयों ने मिश्रित शिक्षण भी शुरू किया है, फिर भी उनमें से कई अभी भी पुरानी पद्धतियों से ही चिपके हुए हैं। कोरोना वायरस)SARS-CoV-2) से उत्पन्न कोविड-19 नामक घातक बीमारी के अचानक प्रकोप ने पूरी दुनिया को हिलाकर रख दिया। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इसे महामारी घोषित कर दिया। इस स्थिति ने दुनिया भर की शिक्षा व्यवस्था को चुनौती दी और शिक्षकों को रातोंरात ऑनलाइन शिक्षण पद्धति अपनाने के लिए मजबूर कर दिया। कई शैक्षणिक संस्थान, जो पहले अपने पारंपरिक शैक्षणिक दृष्टिकोण को बदलने के लिए अनिच्छुक थे, उनके पास पूरी तरह से ऑनलाइन शिक्षणअधिगम अपनाने के अलावा कोई विकल्प नहीं था। इस लेख में ऑनलाइन शिक्षण के महत्व और - लर्निंग के तरीकों की खूबियों-संकट के समय में ई, कमजोरियों, अवसरों और चुनौतियों)SWOC) का विश्लेषण शामिल है। इस लेख में महामारी और प्राकृतिक आपदाओं के दौरान एडटेक स्टार्टअप्स के विकास पर भी प्रकाश डाला गया है और शैक्षणिक संस्थानों के लिए ऑनलाइन शिक्षण से जुड़ी चुनौतियों से निपटने के सुझाव भी शामिल हैं।

---

4. ऑनलाइन शिक्षण के सकारात्मक प्रभाव (Positive Impacts of Online Learning)

ऑनलाइन शिक्षण ने उच्च माध्यमिक स्तर के छात्रों के लिए कई नए अवसर खोले हैं:

4.1. लचीलापन और पहुँच (Flexibility and Accessibility)

ऑनलाइन शिक्षण छात्रों को **अपनी गति (Self-Paced Learning)** से सीखने की सुविधा देता है। विद्यार्थी अपनी सुविधानुसार समय पर कक्षाओं में भाग ले सकते हैं और रिकॉर्ड किए गए व्याख्यानों को दोहरा

सकते हैं। इससे उन छात्रों को विशेष लाभ मिलता है जो अन्य गतिविधियों (जैसे प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी या खेलकूद) में भी शामिल होते हैं।

4.2. संसाधनों की विविधता और व्यक्तिगत शिक्षण (Variety of Resources and Personalised Learning)

डिजिटल प्लेटफॉर्म छात्रों को मल्टीमीडिया सामग्री, ई-लाइब्रेरी, सिमुलेशन और इंटरैक्टिव टूल जैसे **विविध शिक्षण संसाधनों** तक पहुँच प्रदान करते हैं। यह विभिन्न प्रकार के सीखने की शैलियों (Visual, Auditory) वाले छात्रों के लिए प्रभावी हो सकता है। अनुकूलित शिक्षण (Adaptive Learning) प्रौद्योगिकियाँ छात्रों की व्यक्तिगत आवश्यकताओं के अनुसार सामग्री प्रदान करके शिक्षण को अधिक **व्यक्तिगत** बनाती हैं।

4.3. डिजिटल साक्षरता और स्वायत्तता का विकास (Development of Digital Literacy and Autonomy)

ऑनलाइन शिक्षण छात्रों को **डिजिटल साक्षरता (Digital Literacy)** और **स्व-नियमित शिक्षण (Self-Regulated Learning)** कौशल विकसित करने के लिए प्रेरित करता है। उच्च माध्यमिक स्तर पर स्वायत्तता (Autonomy) महत्वपूर्ण है, और ऑनलाइन माध्यम छात्रों को अपने सीखने की प्रक्रिया की जिम्मेदारी लेने में मदद करते हैं।

---

5. ऑनलाइन शिक्षण के नकारात्मक प्रभाव और चुनौतियाँ (Negative Impacts and Challenges of Online Learning)

सकारात्मक पहलुओं के बावजूद, ऑनलाइन शिक्षण कई गंभीर चुनौतियाँ भी प्रस्तुत करता है:

5.1. डिजिटल विभाजन और असमानता (Digital Divide and Inequality)

यह सबसे बड़ी चुनौती है। **इंटरनेट कनेक्टिविटी की कमी**, उपयुक्त उपकरणों (लैपटॉप/टैबलेट) की अनुपलब्धता और बिजली की अस्थिरता ग्रामीण और निम्न सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि के छात्रों के लिए ऑनलाइन शिक्षा को दुर्गम बना देती है। यह **डिजिटल विभाजन** मौजूदा शैक्षणिक अंतर को और भी बढ़ा देता है।

5.2. शैक्षणिक प्रदर्शन पर प्रभाव (Impact on Academic Performance)

कई अध्ययनों से पता चला है कि ऑनलाइन शिक्षण से छात्रों की **एकाग्रता (Concentration)** में कमी आती है। शिक्षकों और साथियों के साथ **प्रत्यक्ष संवाद (Direct Interaction)** की कमी जटिल अवधारणाओं को समझने में बाधा डालती है, जिससे कुछ विषयों में शैक्षणिक प्रदर्शन प्रभावित हो सकता है। मूल्यांकन (Assessment) की विश्वसनीयता भी ऑनलाइन मोड में एक चिंता का विषय है।

5.3. मनोवैज्ञानिक और सामाजिक-भावनात्मक मुद्दे (Psychological and Socio-Emotional Issues)

लंबे समय तक स्क्रीन पर बिताने से **मानसिक स्वास्थ्य (Mental Health)** संबंधी समस्याएं, जैसे **आँखों में तनाव, सिरदर्द, नींद की कमी** और **चिंता (Anxiety)** बढ़ सकती हैं। प्रत्यक्ष सामाजिक संपर्क की कमी से छात्रों में **अकेलापन, अलगाव** और **सामाजिक कौशल (Social Skills)** के विकास में बाधा आ सकती है। उच्च माध्यमिक स्तर पर सामाजिक-भावनात्मक सहयोग (Socio-Emotional Support) आवश्यक होता है, जो ऑनलाइन वातावरण में कम हो जाता है।

5.4. शिक्षक-तैयारी और पाठ्यक्रम डिज़ाइन (Teacher Preparedness and Curriculum Design)

ऑनलाइन शिक्षण की सफलता शिक्षकों के डिजिटल कौशल (Digital Skills) और प्रशिक्षण पर निर्भर करती है। इसके अलावा, पारंपरिक पाठ्यक्रम को ऑनलाइन माध्यम के लिए उपयुक्त बनाने (Pedagogical Redesign) की आवश्यकता होती है, जो अक्सर अपर्याप्त रह जाता है।

---

6. भावी दिशा और निष्कर्ष (Future Direction and Conclusion)

6.1. हाइब्रिड मॉडल (Hybrid Model)

समीक्षा से स्पष्ट होता है कि उच्च माध्यमिक स्तर के लिए केवल ऑनलाइन या केवल पारंपरिक शिक्षण मॉडल पर्याप्त नहीं है। **हाइब्रिड/संकरीकृत शिक्षण मॉडल** सबसे उपयुक्त दृष्टिकोण है, जहाँ:

- **पारंपरिक कक्षाएँ:** जटिल अवधारणाओं, प्रयोगात्मक कार्यों, और सामाजिक-भावनात्मक विकास पर ध्यान केंद्रित करती हैं।
- **ऑनलाइन माध्यम:** पूरक सामग्री, संशोधन, व्यक्तिगत असाइनमेंट और स्व-गतिशील सीखने के लिए उपयोग किए जाते हैं।

6.2. नीतिगत सुझाव (Policy Recommendations)

1. **डिजिटल समानता सुनिश्चित करना:** सरकार और संस्थानों को दूर-दराज के क्षेत्रों में इंटरनेट कनेक्टिविटी और उपकरणों की उपलब्धता सुनिश्चित करनी चाहिए।
2. **शिक्षक प्रशिक्षण:** शिक्षकों को इंटरैक्टिव ऑनलाइन शिक्षण तकनीकों में निरंतर प्रशिक्षण प्रदान करना।
3. **मानसिक स्वास्थ्य सहायता:** छात्रों को ऑनलाइन शिक्षण से संबंधित तनाव और चुनौतियों से निपटने के लिए परामर्श और मनोवैज्ञानिक सहायता प्रदान करना।

6.3. निष्कर्ष (Conclusion)

उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों पर ऑनलाइन शिक्षण का प्रभाव एक **जटिल और द्विदिशीय (Complex and Bidirectional)** प्रक्रिया है। यह सीखने की प्रक्रिया को अभूतपूर्व लचीलापन और संसाधन-समृद्धि प्रदान करता है, लेकिन साथ ही **डिजिटल असमानता** और **मनोवैज्ञानिक कल्याण** जैसी महत्वपूर्ण चुनौतियों को भी जन्म देता है। ऑनलाइन शिक्षण की क्षमता को पूरी तरह से साकार करने के लिए, हमें एक संतुलित और छात्र-केंद्रित **हाइब्रिड दृष्टिकोण** अपनाना होगा जो प्रौद्योगिकी के लाभों का उपयोग करते हुए मानवीय और सामाजिक संपर्क के महत्व को प्राथमिकता दे।

---

7. संदर्भ (References)

1. श्याम नारायण सिंह, डॉ हंसराज, "राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 एवं ऑनलाइन शिक्षा",International Journal of Multidisciplinary Research in Arts, Science and Technology (IJMRAST), ISSN: 2584-0231, Volume 2, Issue 3, pp. 49-56, March 2024
2. कुमार अरविंद (2021) : कोविड महामारी के दौरान ऑनलाइन शिक्षा के प्रति विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं अभिभावकों का दृष्टिकोण, अपनी माटी, (अंक 38), 30 दिसंबर 2021.
   https://www.apnimaati.com/2021/12/blog-post_81.html?m=1
3. वर्मा अभिषेक (2022).मुख्य शिक्षा में ऑनलाइन शिक्षा की भूमिका.स्कालरली रिसर्च जर्नल फार इंटरडिसपिलीनरी स्टडीज, 70 (9) पृष्ठ 16662-16669.
   https://issuu.com/dr.yashpalnetragaonkar/docs/4.abhishek_verma
4. Chakraborty, P., Mittal, P., Gupta, M. S., Yadav, S., & Arora, A. (2021). Opinion of students on online education during the COVID-19 pandemic. *Human Behavior and Emerging Technologies*, *3*(3), 357-365.
5. Palvia, S., Aeron, P., Gupta, P., Mahapatra, D., Parida, R., Rosner, R., & Sindhi, S. (2018). Online education: Worldwide status, challenges, trends, and implications. *Journal of global information technology management*, *21*(4), 233-241. Suarsana, I., Lestari, I. A. P. D., & Mertasari, N. M. S. (2019). The Effect of Online Problem Posing on Students' Problem-Solving Ability in Mathematics. *International Journal of Instruction*, *12*(1), 809-820..
6. Erlangga, D. T. (2022). Student problems in online learning: Solutions to keep education going on.
7. Capra, T. (2011). Online education: Promise and problems. *Journal of Online Learning and Teaching*, *7*(2), 288-293.
8. Dhawan, S. (2020). Online learning: A panacea in the time of COVID-19 crisis. *Journal of educational technology systems*, *49*(1), 5-22.
9. Carrillo, C., & Flores, M. A. (2020). COVID-19 and teacher education: a literature review of online teaching and learning practices. *European journal of teacher education*, *43*(4), 466-487.

10. A. M. (2019, April). Factors That Influence Secondary School Teachers' Acceptance Of E-Learning Technologies inteaching in the KIngdom of Saudi Arabia. Journal of Research in Curriculum, Instruction and Educational Technology, 5(2), 175-196.
11. राष्ट्रीय शिक्षा नीति -2020 : मानव संसाधन विकास मंत्रालय , भारत सरकार , परिचय पृष्ठ -3 https://www.education.gov.in/sites/upload_files/mhrd/files/NEP_final_HINDI_0.pdf
12. राष्ट्रीय शिक्षा नीति -2020 : मानव संसाधन विकास मंत्रालय , भारत सरकार , अध्याय 24 ,पृष्ठ 95-98. https://www.education.gov.in/sites/upload_files/mhrd/files/NEP_final_HINDI_0.pdf
13. (n.d.). Retrieved from https://www.wikipedia.org/.
14. (n.d.). Retrieved from https://shodhganga.inflibnet.ac.in/. Alzahrani,